WHAT ARE THE PROBLEMS ?
वर्तनीगत अशुद्धियाँ
उच्चारण सम्बन्धी अशुद्धियाँ
वाक्य रचना/संरचना
चित्र वर्णन.

लेखन कौशल

वाचन एवं पठन कौशल

अभिव्यक्ति कौशल

श्रवण कौशल

Example:
(की-कि, पिता-पीता, कक्षा/कक्शा, ह्रस्व/दीर्घ-अ,इ,उ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ आदि का अनुप्रयोग, आधे अक्षरों का प्रयोग, संयुक्ताक्षरों का उचित प्रयोग नहीं करते हैं)
(अखबार को अकबार, क्यों को क्यूँ, अस्पताल को हस्पताल, विद्यार्थी/विध्यार्थी बोलना)
- गद्य/पद्य के अनुसार उचित नहीं होती (वाक्य रचना के नियमों का समावेश/सफल अनुप्रयोग नहीं होता)
अनुच्छेद लेखन के अंतर्गत दिए गए विषयों पर कल्पनाशीलता के आधार पर अपने विचारों को क्रमबद्ध तरीके से लिखना
उससे सम्बंधित घटना/ कहानी लिखने में कठिनाई का अनुभव करते हैं. सहायक बिंदुओं का समावेश करने का सही व उपयुक्त तरीका नहीं जान पाते.
विज्ञापन निर्माण - विज्ञापन निर्माण में आकर्षक पंचलाइन का निर्माण नहीं कर पाते हैं। विशेषताओं का (विशेषताओं को विशेषण के रूप में) प्रयोग नहीं कर पाते हैं।
अनुच्छेद लेखन - अनुच्छेद लेखन में दिए गए विषय पर बच्चे अपने विचारों को क्रमबद्धता के साथ सम्बद्ध करते हुए लिखने में कठिनाई का अनुभव करते हैं । सहायक बिन्दुओं का समवेश करने का कारण व तरीका नहीं समझ पाते हैं।

पत्र लेखन - इसके माध्यम से छात्र अपने विचारों तथा भावों को दोनों (औपचारिक / अनौपचारिक) प्रारूपों में प्रस्तुत करने की कला में पत्र के प्रारूप, विशेष तौर पर सम्बोधन, अभिवादन, पता, दिनांक सम्बंधित त्रुटियां रहीं.

- शुद्ध लेखन, मात्राओं की अशुद्धियाँ, वाक्य संरचना में त्रुटियां, सुन्दर लेखन.

संवाद लेखन - संवाद लेखन हेतु प्राथमिक नियमावली का अभाव है, जैसे - संवाद छोटे, सरल और स्पष्ट हों, लेखन से पूर्व परिस्थिति को उचित रूप से जानना और समझना आवश्यक है, उचित विराम चिह्नों का प्रयोग स्पष्ट हो, भाषा सहज, सरल एवं विषयानुकूल हो, आत्मीयता लेन हेतु उचित संबोधन का प्रयोग करें, औपचारिकता अनिवार्य नहीं है, सम्बद्धता आवश्यक है, वार्ता का पूर्णता प्राप्त करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, आदि |

कहानी लेखन / वाचन लेखन - कहानी लेखन हेतु अनेकोनेक मूलभूत समस्याएं हैं जैसे कहानी का आकर्षक आरम्भ, छोटे संवाद, प्रवाह, स्वाभाविक अंत तथा कहानी के विषय के आधार पर आकर्षक अवं उपयुक्त शीर्षक, सरल तथा सुबोध भाषा, प्रभावशाली एवं रोचक भाषा हेतु मुहावरे तथा लोकोक्तियों का प्रयोग, प्रवाह तथा क्रमबद्धता का ध्यान रखना आवश्यक है.

आत्मविश्वास का अभाव (शारीरिक चेष्टा, हाव-भाव, धारा-प्रवाह बोलना, नेत्र संपर्क)- परिचर्चा/तुलनात्मक चर्चा/कविता वाचन | उच्चारण सम्बन्धी समस्या देखने को मिलती है | शब्द भण्डार की कमी |

सस्वर वाचन का अभाव (कविता)
वाचन करने में कठिनाई (उचित विराम चिन्हों का प्रयोग कर उतार चढ़ाव का ध्यान रखते हुए पढ़ना, भावों के अनुकूल अथवा हाव भाव के साथ पाठ्य सामग्री का व्यवस्थित अर्थ ग्रहण करने में समस्या.
वर्तनीगत समस्याओं के कारण पढ़ने में कठिनाई का अनुभव करते हैं.
अतिरिक्त वाचन का अभाव.

आत्मविश्वास की कमी (शारीरिक चेष्टाएँ, हाव-भाव, धारा-प्रवाह, नेत्र संपर्क)
उच्चारण सम्बन्धी समस्याएं देखने को मिलती हैं. शब्द भण्डार, शब्द कोष में कमी.
मानक भाषा का अभाव

छात्र एकाग्रता की कमी के कारण कक्षा में पढ़ाये गए पाठ / पठन सामग्री, शब्दार्थ, व प्रश्नोत्तरों पर की गयी चर्चा पर ध्यान केंद्रित नहीं करते तथा इसी कारण लेखन कार्य में समस्या उत्पन्न होती है. इसलिए वे अपने विचारों को व्यवस्थित ढंग से प्रकट नहीं कर पाते. सुनकर अर्थ ग्रहण करने में भी कठिनाई का अनुभव करते हैं. अतिरिक्त वाचन का अभाव.
प्रस्तुतीकरण समस्याएं - आपसी सहयोग अवं तारतम्यता का अभाव (कक्षा में विभिन्न सामूहिक गतिविधियां करवाने पर यह समस्या प्रकट हुई.

OITHRAM SCHOOL, NORTH CAMPUS, NIPANIA,
ANNUAL PADAGOGICAL PLAN-6th HINDI (TER
SESSION-2023-2024

COMPILATION OF PROBLEMS.
वर्तनी प्रयोग की समझ तथा शब्द भंडार का अभाव
उच्चारणगत समस्याएं / शब्द भण्डार का अभाव / वाक्य संरचना में कठिनाई.
श्रवण - एकाग्रता एवं शब्द भण्डार का अभाव, रुचि, जिज्ञासा, औपचारिक परिचर्चा.
पठन / वाचन - वर्तनिकी अशुद्धियाँ, (उच्चारण सम्बंधित), विराम चिन्ह का सही स्थान पर प्रयोग, आत्मविश्वास का अभाव, वाचन नहीं कर पाना.
वाचन + लेखन - अर्थबोध तथा उचित विराम चिन्हों के प्रयोग का अभाव.
प्रस्तुतीकरण - एकता तथा समूह भावना का अभाव
विषयानुरूप भाषा, विषयवस्तु, स्तरानुकूल नहीं, वर्तनीगत अशुद्धियाँ, प्रारूप सम्बन्धी कठिनाई, सटीकता का अभाव.

वर्तनी की अशुद्धियाँ (उच्चारण सम्बन्धी), विराम चिह्नों का सही स्थान पर अनुप्रयोग नहीं करना, आत्मविश्वास का अभाव

अर्थबोध के साथ उचित विराम का प्रयोग नहीं करना
एकाग्रता एवं उचित शब्द संपदा का अभाव
समूह भावना का अभाव

INDORE.
RM-1)

CATEGORISATION OF PROBLEMS [SPECIFIC AND BEHAVIOURAL]
विशिष्ट (विषयपरक) समस्या - वर्तनी प्रयोग तथा शब्द भंडार का अभाव
विशिष्ट (विषयपरक) समस्या - शब्दावली के अभाव + वर्तनीगत अशुद्धियों के कारण शुद्ध उच्चारण व वाक्य निर्माण का अभाव
विषयवस्तु के लिए समस्या - कल्पनाशीलता का अभाव. भाषा स्तर के अनुकूल नहीं होना. शब्द भण्डार की कमी. प्रारूप की अस्पष्टता, पाठ्यक्रम के अतिरिक्त पठन का अभाव, एवं भाषा पर क्षेत्रीय बोलियों का अत्यधिक प्रभाव, क्षेत्रीय शब्दों का प्रयोग, मानक भाषा का अभाव.
विशिष्ट (विषयपरक) समस्या - विषयवस्तु के लिए कल्पनाशीलता का अभाव | भाषा स्तारानुकूल नहीं, शब्दभंडार की कमी तथा प्रारूप सम्बन्धी अशुद्धियाँ, कारण अतिरिक्त पठन नहीं करना एवं क्षेत्रीय बोलियों का प्रभाव
व्यावहारिक समस्या - कल्पनाशीलता का अभाव | विश्लेषण क्षमता का अभाव | समयानुसार कार्य न करना (कक्षा कार्य, गृह कार्य विषय सम्बंधित अन्य गतिविधियाँ |

विशिष्ट (विषयपरक) समस्या - उचित विराम चिह्नों का प्रयोग कर उतार-चढ़ाव के साथ, भावानुकूल पठन/वाचन का अभाव

व्यावहारिक समस्या - आत्मविश्वास की कमी, भावनाओं को जोड़ सकने तथा कल्पनाशीलता में अक्षम, संवेदनशीलता तथा जीवन मूल्यों का प्रभाव कम होना।
व्यवहारिक समस्या - कल्पनाशीलता का अभाव, समयानुसार उत्तर पुस्तिकाएं जमा न करना (अपूर्ण कक्षाकार्य एवं गृहकार्य)
व्यावहारिक समस्या - अर्थबोध का अभाव
व्यावहारिक समस्या - एकाग्रता तथा रुचि का अभाव
व्यावहारिक समस्या - समूह भावना का अभाव

KPI NAME	KPI DEFINATION
वर्तनी प्रयोग तथा शब्द भंडार को बढ़ाना (हिन्दी भाषा में छात्रों का प्रदर्शन कक्षा सातवीं के स्तरानुसार)	1 वर्तनीगत अशुद्धियों को कम कराने का अभ्यास (की-कि, पिता-पीता, कक्षा/कक्शा, ह्रस्व/दीर्घ-अ,इ,उ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ आदि का अनुप्रयोग,'र' के विविध प्रयोग, आधे अक्षरों का प्रयोग, संयुक्ताक्षरों का उचित प्रयोग, अनुस्वार, अनुनासिक का प्रयोग करना) LP 1
	2 सही उच्चारण व उचित शब्दावली प्रयोग के द्वारा वाक्य विन्यास करनाLP 5 (लिंग/वाचन/काल,क्रिया,कर्म,क्रम आदि का ध्यान रखना - अशुद्ध-

	एक फूलों की माला / शुद्ध-फूलों की एक माला)
	3 लिखित अभिव्यक्ति में विषयवस्तु के लिए कल्पनाशीलता, क्षेत्रीय बोलियों का प्रभाव (संपट, ढुल जाना, पे, करी आदि) LP 1, LP 2
	4 पाठोपरांत प्रश्नोत्तर का प्रभावी प्रदर्शन

बोलना/पढ़ना कौशल-विराम चिह्नों का सही स्थान पर अनुप्रयोग, आत्मविश्वास को बढ़ाना, अधिकाधिक वर्तनी शुद्धि का अभ्यास	5.1 शुद्ध उच्चारण व उचित उतार-चढ़ाव तथा हाव-भाव के साथ प्रभावी बोलना/पढ़ना LP1
	5.2 उचित विराम चिह्नों का प्रयोग कर भावानुकूल पठन/वाचन करना जैसे- पूर्ण विराम, अल्प विराम, विस्मयादि बोधक आदि LP1, LP 2
आत्मविश्वास को बढ़ावा देना, भावनाओं को जोड़ने में कुशल बनाना |	6 कल्पनाशीलता को बढ़ाना, संवेदनशीलता तथा जीवन मूल्यों के प्रभाव को विकसित करना |LP 2
	7 आपसी सहयोग व सामंजस्य की भावना विकसित करना

समयानुसार कार्य पूर्ण करना (कक्षा कार्य, गृह कार्य, विषय सम्बंधित अन्य गतिविधियाँ)	8 समय नियोजन के महत्त्व को समझाना

ANNUAL PADAGOG

WHERE ARE WE NOW? (scale & description)	KPI GOAL	KPI LIMIT
50% बच्चे लेखन के दौरान वर्तनीगत शुद्धियों का ध्यान रखते हैं जैसे-आशीर्वाद, अस्पताल, विद्यार्थी, क्यों, क्योंकि,परीक्षा, परिवर्तन, हंस, हँस, आदि (कक्षा कार्य, गृह कार्य, श्रुतलेख, अनुलेख के द्वारा)	60%	±2
60% बच्चे लेखन के दौरान उचित शब्दावली व शुद्ध वाक्य निर्माण का ध्यान रखते हैं	70%	±2

55% बच्चे वाचन के दौरान सही उच्चारण व उचित शब्दावली के चुनाव का ध्यान रखते हैं	60%	±2
55% बच्चे लेखन गतिविधियों (विज्ञापन/संवाद/पत्र आदि) के दौरान विषयवस्तु की सम्बद्धता तथा कल्पनाशीलता को परिलक्षित करते हैं तथा क्षेत्रीय बोलियों के शब्दों के अनुचित प्रयोग को समझकर इसका ध्यान रखते हैं	65%	±3
65% बच्चे पाठोपरांत प्रश्नों के उत्तर सटीक व प्रभावी रूप में देते हैं (प्रश्नों के उत्तर बिंदु सटीक व स्पष्ट होते हैं) (प्रश्न को समझ कर उसमें निहित आशय के अनुरूप उत्तर का ध्यान रखते हैं)	75%	±3

50% बच्चे दिए गए विषयों के अनुरूप बोलने में सक्षम हैं (कक्षा गतिविधि तथा खुले मंच के आधार पर प्रभावी बोलना/पाठ पढ़ना)	60%	±3
55% बच्चे विराम चिह्नों का सही स्थान पर अनुप्रयोग करते हुए पठन/वाचन करने में कुशल हैं (कक्षा में पाठ के वाचन का तरीका)	65%	±3
60% बच्चे कल्पनाशीलता के साथ अपने विचारों को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने में कुशल हैं | प्रदर्शन के दौरान विश्लेषण क्षमता का प्रभाव परिलक्षित होता है | (प्रश्नोत्तर/कक्षा चर्चा के द्वारा)	65%	±3
70% बच्चे कक्षा गतिविधियों तथा अन्य सामूहिक गतिविधियों (विषय संवर्धन गतिविधि) के दौरान आपसी सहयोग व सामंजस्य की भावना परिलक्षित करते हैं	80%	±2

60% बच्चे अपना कार्य नियत समयावधि में पूर्ण करते हैं (कक्षा कार्य/गृह कार्य पुस्तिका, विषय संवर्धन गतिविधियों का क्रियान्वयन)	70%	±2

SIAL PLAN - 6th HINDI (2023-2024)

WHAT WE NEED TO DO ?	HOW WILL IT BE ACHIEVED
वर्णों के उच्चारण स्थान का बोध व सही प्रयोग स्पष्ट करना | (कक्षा में शिक्षण के दौरान इस बात को बार-बार स्पष्ट करेंगे कि वैचारिक अभिव्यक्ति के लिए शब्दों का शुद्ध प्रयोग आवश्यक है, अन्यथा अर्थ का अनर्थ होने में भी देर नहीं लगती ।) App-Implementing	श्रुतलेख, अनुलेख, वर्गपहेली आदि के द्वारा वर्णों के उचित प्रयोग व शब्दभंडार में वृद्धि करने का अभ्यास देकर वर्तनीगत अशुद्धि को दूर करने का और अधिक प्रयास किया जाएगा । कई बार क्षेत्रीयता, उच्चारण भेद और व्याकरणिक ज्ञान के अभाव के कारण वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ हो जाती हैं इस बात का भी ध्यान रखने के लिए प्रेरित करेंगे|
वाक्य विन्यास के नियमों का ध्यान रखना तथा अर्थबोध हेतु उचित शब्दों का प्रयोग करना (अशुद्ध रूप – शहीदों का देश सदा आभारी रहेगा। शुद्ध रूप – देश शहीदों का सदा आभारी रहेगा।) (अशुद्ध रूप – कृपया आप मेरे घर आने की कृपा करें। शुद्ध रूप – आप मेरे घर आने की कृपा करें।) (शहीद के स्थान पर मृत शब्द का प्रयोग, सर्वथा अनुचित है) Analyze-Differentiating	कक्षा के दौरान छोटे-छोटे वाक्य निर्मित कर उसमें निहित भाव की स्पष्टता के द्वारा, स्वेच्छा से पसंदीदा विषय का चुनाव कर लिखित अभिव्यक्ति के द्वारा (रेखाचित्र लेखन-अपने पसंदीदा पशु-पक्षी का)

कई बार क्षेत्रीयता, उच्चारण भेद और व्याकरणिक ज्ञान के अभाव के कारण वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ हो जाती हैं इस बात का भी ध्यान रखने के लिए प्रेरित करेंगे | App-Executing	कक्षा गतिविधि के माध्यम से- पाठ वह चिड़िया जो पर कक्षा में बालकों द्वारा सस्वर वाचन करवाना। कविता "चाँद से गप्पें" के माध्यम से प्रकृति से परिचित करवान। "साथी हाथ बढ़ाना" से आपसी सहयोग एवं सद्भावना का पाठ सिखान। एकांकी "ऐसे ऐसे" को कक्षा में विधा बदलकर प्रस्तुति करवाना।
कार्यप्रणाली में बदलाव (शिक्षण अधिगम में परिवर्तन, वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरण का प्रयोग बढ़ाकर) समसामयिक व रुचिकर विषय का चुनाव जिससे बच्चे की प्रस्तुति प्रभावी एवं सटीक होगी (कारण वे उस दिशा में सोच सकें), कहानी सुनाकर/विडियो दिखाकर निहित विषयवस्तु के द्वारा सीखी गई सीख को प्रस्तुत करेंगे Synthesis-Generating	पाठ "बचपन" द्वारा बालकों के अनुभवों से परिचित करवाना। कहानी "टिकट एल्बम" द्वारा मानवीय संवेदनाओं से परिचित करवान। "झांसी की रानी" कविता द्वारा देशभक्ति का पाठ पढ़ा कर इतिहास से परिचित करवान।
प्रश्न निर्माण व सटीक उत्तर बिन्दुओं को समाहित कर प्रभावी उत्तर को स्पष्ट करेंगे Evaluating-Checking	कक्षा में, पाठोपरांत विद्यार्थी प्रश्न निर्माण करेंगे तत्पश्चात आपस में बनाये गए प्रश्नों के उत्तर (बिंदु रूप में) साझा करेंगे

बंधन मुक्त विषय पर बोलने का अवसर देकर तथा गलत बोलने पर सही उच्चारण हेतु प्रेरित कर बार-बार बोलने के लिए प्रेरित करेंगे Understanding-Infering	पाठ "वह चिड़िया जो", पर कक्षा में काव्य पाठ करवाना, एवं "नादान दोस्त" के माध्यम से संवाद लेखन से परिचित करवाना।
आदर्श वाचन के पश्चात बच्चों को प्रेरित करेंगे, गलत बोलने पर सही उच्चारण हेतु प्रेरित कर बार-बार बोलने के लिए प्रेरित करेंगे, सुधार के साथ कक्षा में उनका उत्साहवर्धन करेंगे Knowledge-Recognizing	कविता " साथी हाथ बढ़ाना" में निहित एकता एवं सहयोग जैसे मूल्यों पर आधारित अन्य कवितायेँ एकत्रित करना तथा कक्षा में काव्य पाठ करवाना। कहानी "नादान दोस्त" को आधार बना कर बालकों द्वारा अपनी भाषा में कहानी का कक्षा में प्रस्तुतीकरण।
छोटे-छोटे विषय देकर उस पर विचार प्रस्तुत करेंगे, उदाहरण देकर उसे अनुप्रयोग कर नवीन परिवर्तन निर्मित करने हेतु प्रेरित करेंगे Understanding-Comparing	विषय के साथ सहायक बिंदु देकर उस पर विचार प्रस्तुति, पाठ में निहित मूल्यों पर चर्चा
छोटे-छोटे प्रेरक प्रसंगों को बच्चों के साथ साझा करेंगे तथा आपसी सहयोग से होने वाले फायदे एवं महत्त्व की समझ विकसित करने हेतु प्रेरित करेंगे Evaluate-Critiquing	समूह की गतिविधियों के द्वारा सहयोग, सहभागिता व उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना

समय के महत्त्व को समझाकर उन्हें दिए गए गृह कार्य/भाषायी गतिविधियों को समयांतराल में पूर्ण करने हेतु प्रेरित करेंगे Evaluate-Critiquing	समय के महत्त्व पर विचार विमर्श कर जीवन मूल्यों का विकास करना

KPI MEASUREMENT	REVIEW	KPI REPORTING/achivement	KPI Improvement
कक्षा के दौरान	प्रत्येक माह के अंत में		
दो पाठों के पश्चात	विषय संवर्धन गतिविधि के बाद		

दो पाठों के पश्चात	दो पाठों के पश्चात		
दो पाठों के पश्चात	प्रत्येक पाठ के उपरान्त		
प्रत्येक पाठ के उपरान्त/ सत्रांत परीक्षा के साथ	प्रत्येक पाठ के उपरान्त		

दो पाठों के पश्चात	प्रत्येक पाठ के उपरान्त		
दो पाठों के पश्चात	प्रथम सत्रांत के साथ		
सत्रांत के आधार पर	प्रथम सत्रांत के साथ		
विषय संवर्धन गतिविधि के आधार पर	त्रैमासिक /विषय संवर्धन गतिविधि के बाद		

त्रैमासिकके आधार पर	त्रैमासिक /विषय संवर्धन गतिविधि के बाद		